८ : शाम एक किसान

प्रश्नावली

कविता से

प्रश्न 1. इस कविता में शाम के दृश्य को किसान के रूप में दिखाया गया है - यह एक रूपक है। इसे बनाने के लिए पाँच एकरूपताओं की जोडी बनाई गई है । उन्हें उपमा कहते हैं। पहली एकरूपता आकाश और साफ़े में दिखाते हुए कविता में 'आकाश का साफ़ा' वाक्यांश आया है । इसी तरह तीसरी एकरूपता नदी और चादर में दिखाई गई है, मानो नदी चादर-सी हो। अब आप दूसरी, चौथी और पाँचवी एकरूपताओं की खोजकर लिखिए।

प्रश्न 2. शाम का दृश्य अपने घर की छत या खिड़की से देखकर बताइए-

(क) शाम कब से शुरू हुई?

(ख) तब से लेकर सूरज डूबने में कितना समय लगा?

(ग) इस बीच आसमान में क्या-क्या परिवर्तन आए?

प्रश्न 3. मोर के बोलने पर कवि को लगा जैसे किसी ने कहा हो-'सुनते हो'। नीचे दिए गए पक्षियों की बोली सुनकर उन्हें भी एक या दो शब्दों में बाँधिए-

कबूतर	कौआ	मैना
तोता	चील	हंस

www.dreamtopper.in

कविता से आगे

प्रश्न 1. इस कविता को चित्रित करने के लिए किन-किन रंगों का प्रयोग करना होगा?

प्रश्न 2. शाम के समय ये क्या करते हैं? पता लगाइए और लिखिए-

पक्षी	खिलाड़ी	फलवाले	माँ
पेड़-पौधे	पिता जी	किसान	बच्चे

प्रश्न 3. हिंदी के एक प्रसिद्ध कवि सुमित्रानंदन पंत ने संध्या का वर्णन इस प्रकार किया है-

संध्या का झुटपुट-

बाँसों का झुरमुट-

है चहक रहीं चिड़ियाँ

टी-वी-टी–टुट्-टुट्

ऊपर दी गई कविता और सर्वेश्वरदयाल जी की कविता में आपको क्या मुख्य अंतर लगा? लिखिए।

अनुमान और कल्पना

www.dreamtopper.in

प्रश्न 1. शाम के बदले यदि आपको एक कविता सुबह के बारे में लिखनी हो तो किन-किन चीज़ों की मदद लेकर अपनी कल्पना को व्यक्त करेंगे? नीचे दी गई कविता की पंक्तियों के आधार पर सोचिए -

पेडों के झुनझुने
बजने लगे ;
लुढकती आ रही है
सूरज की लाल गेंद ।
उठ मेरी बेटी, सुबह हो गई ।

- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना।

भाषा की बात

प्रश्न 1. नीचे लिखी पंक्तियों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखिए-

(क) घुटनों पर पड़ी है नदी चादर–सी

(ख) सिमटा बैठा है भेड़ों के गल्ले–सा

(ग) पानी का परदा–सा मेरे आसपास था हिल रहा

(घ) मँडराता रहता था एक मरियल–सा कुत्ता आसपास

(ङ) दिल है छोटा–सा छोटी-सी आशा

(च) घास पर फुदकती नन्ही–सी चिड़िया

इन पंक्तियों में सा/सी का प्रयोग व्याकरण की दृष्टि से कैसे शब्दों के साथ हो रहा है।

www.dreamtopper.in

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग आप किन संदर्भों में करेंगे? प्रत्येक शब्द के लिए दो-दो वाक्य बनाइए-

आँधी दहक सिमटा

www.dreamtopper.in

उत्तर

<u>कविता से</u>

उत्तर 1- दूसरी एकरूपता – सूरज की चिलम

चौथी एकरूपता – पलाश के जंगल की अंगीठी

पाँचवी एकरूपता – भेडों के गल्ले सा अंधकार

उत्तर 2- (क) लगभग 6 बजे के आसपास जब सूरज पश्चिम की ओर पहुँचा तब शाम शुरू हुई।

(ख) तब से लेकर सूरज डूबने में लगभग एक से डेढ घंटे का समय लगा।

(ग) इस बीच आसमान में लालिमा छा गई और देखते ही देखते धीरे-धीरे सूरज डूबने लगा और अंधेरा हो गया।

www.dreamtopper.in

उत्तर 3-

कबूतर – खत लाया हूँ ।

मैना – गीत सुनाऊँ ?

चील – देखते हो।

कौआ – मेहमान आने वाले हैं।

तोता – राम- राम ।

हंस – हमेशा शांत रहो।

कविता से आगे

उत्तर 1- इस कविता को चित्रित करने के लिए हमें पीला, सुनहरा, सफ़ेद, लाल, काला, हरे आदि रंगों की आवश्यकता होगी।

उत्तर 2-

(i) पक्षी– अपने घोंसले में लौट आते हैं।

(ii) खिलाड़ी– अपना खेल समाप्त करके विश्राम करते हैं।

(iii) फलवाले – फल बेचते हैं।

(iv) माँ– रात का खाना तैयार करती है।

(v) पेड़–पौधे – अपनी जगह पर खड़े रहते हैं मानो विश्राम कर रहे हों।

(vi) पिता जी – दफ्तर से घर को आते हैं।

(vii) किसान – खेतों से लौटकर घर आते हैं।

(viii) बच्चे – खेलकर वापस घर को आते हैं।

www.dreamtopper.in

उत्तर 3- ऊपर दिए गए कवि सुमित्रानंदन के लिखे गए कविता में और पाठ के कविता, इन दोनों में ही शाम के दृश्य-दर्शाया गया है, लेकिन इन दोनों में मुख्य अंतर यह है कि सर्वेश्वरदयाल जी की कविता में उन्होंने शाम की दृश्य एक कृषक के नज़रिए से दिखाया है और कवि सुमित्रानंदन पंत ने संध्या का वर्णन एक पंछी के नज़रिए से दिखाए है। यही दोनो कविता के मुख्य अंतर है।

अनुमान और कल्पना

उत्तर 1- है अंधकार अब लुप्त हो गया,

हर ओर प्रकाश अब होना है ।

उठकर बढना है आगे ,

न देर तलक अब सोना है ।

तेज़ चमकना है हमको ,

सूरज की किरन है बता रही।

पंछियों की मधुर ध्वनी,

हम सबको है जगा रही।

www.dreamtopper.in

भाषा की बात

उत्तर 1- यहाँ सा-सी का प्रयोग उन शब्दों के साथ किया जा रहा है जिनकी उपमा दी जा रही है अर्थात इन शब्दों का प्रयोग संज्ञा और विशेषण के साथ हो रहा।जैसे-चादर की तुलना नदी से की जा रही है।

उत्तर 2

(i) आँधी – वो आँधी की तरह तेज़ है।

कल आँधी के आने के बाद सब कुछ नष्ट गया।

(ii) दहक – चूल्हें में आग दहक रही है।

उसके मन में प्रतिशोध की अग्नि दहक रही है।

(iii) सिमटा – वह डर के मारे एक कोने में सिमटा बैठा है।

मैं अपना काम सिमटा रहा हूँ।

www.dreamtopper.in